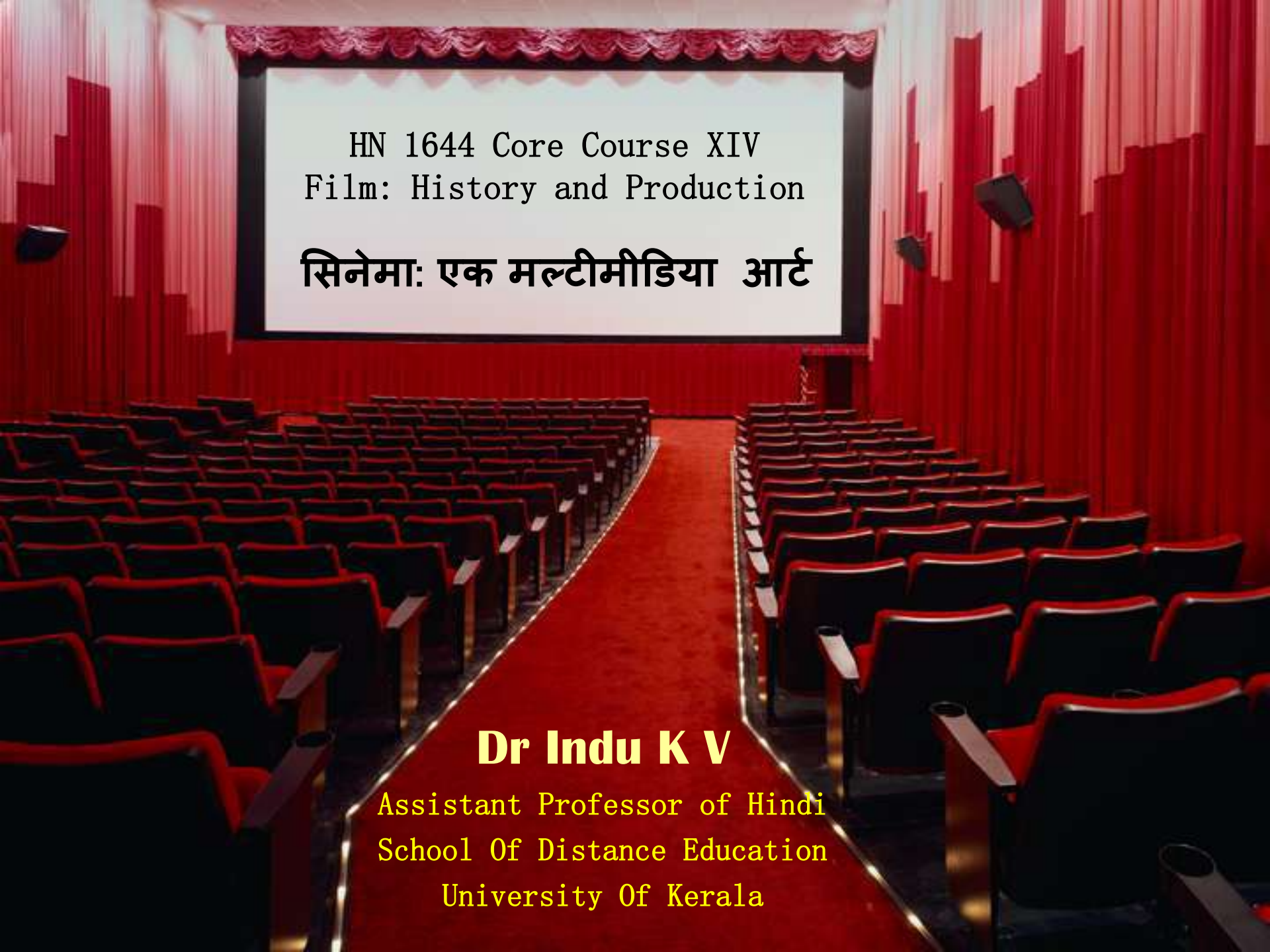
HN 1644 Core Course XIV
Film: History and Production
सिनेमा: एक मल्टीमीडिया आर्ट
Dr Indu K V
Assistant Professor of Hindi
School Of Distance Education
University Of Kerala

फिल्म –जन्म–19वीं शती में

किनोमैटोग्राफ (Kenematograph)

फिल्म के लिए पहले यूनानी भाषा का शब्द कैनोमैटिक का प्रयोग किया था..

फ्रेंच में इसका पर्यायवाची शब्द – सिनेमाटोग्राफ

शब्द का अर्थ

सिनेमा –गति

ग्राफ – आलेखन

सिनेमाटोग्राफ– संक्षिप्त एवं विक्सित रूप–सिनेमा

विश्व सिनेमा का विकास

अमेरिका में एडविन पॉर्टन – ‘द ट्रेन रॉबरी’ (1903)

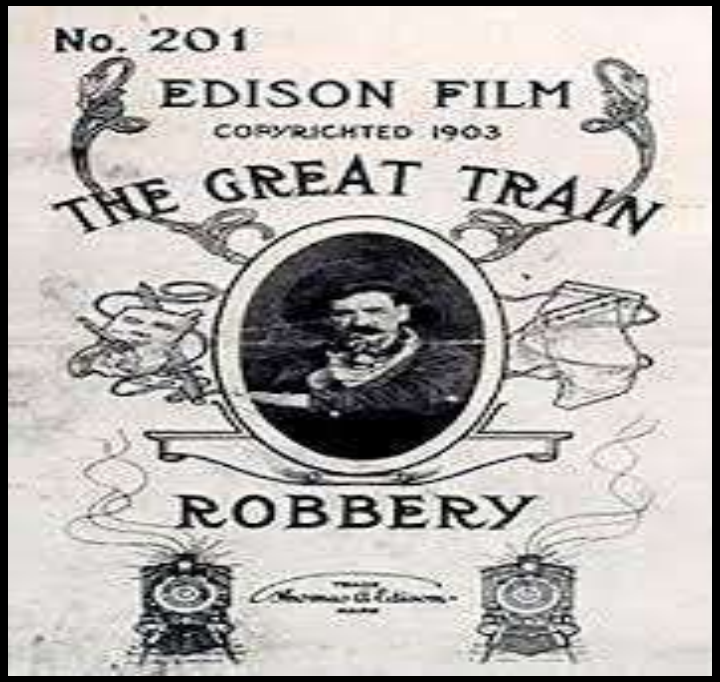

विश्व सिनेमा का विकास

1895 को पेरिस के ग्रैंड कैफे के सेलुनव इंडियन में –
मूविंग इमेज की विश्व की पहली फिल्म –
लूमियर ब्रदर्स

दुनिया का पहला स्टूडियो

आधुनिक फिल्मों के पिता–D W GIFFITH

सबसे पहले पहचाना कि सिनेमा की मूलभूत इकाई दृश्य नहीं शॉट्स हैं

चार्ली चाप्लिन
सिनेमाई भाषा के निर्माण में अग्रणी प्रतिभाशाली

विश्व सिनेमा के कुछ क्लासिक फिल्मकार

विटटोरियो डी सिका

(बच्चे हमें देखते हैं, बयिसिकल थीव्स, अम्बरटटोडी,मिराकल इन मिलान)

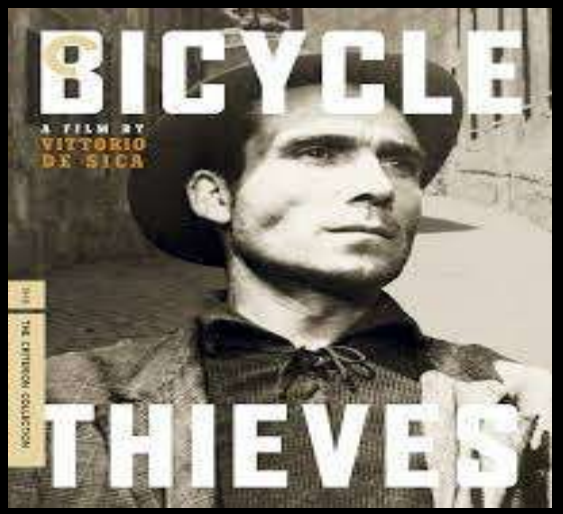

अकिरा कुरासोवा (जापानी फिल्मकार)
राशोमोन, कगेमुषा, दरसू उसाला, ड्रीम्स

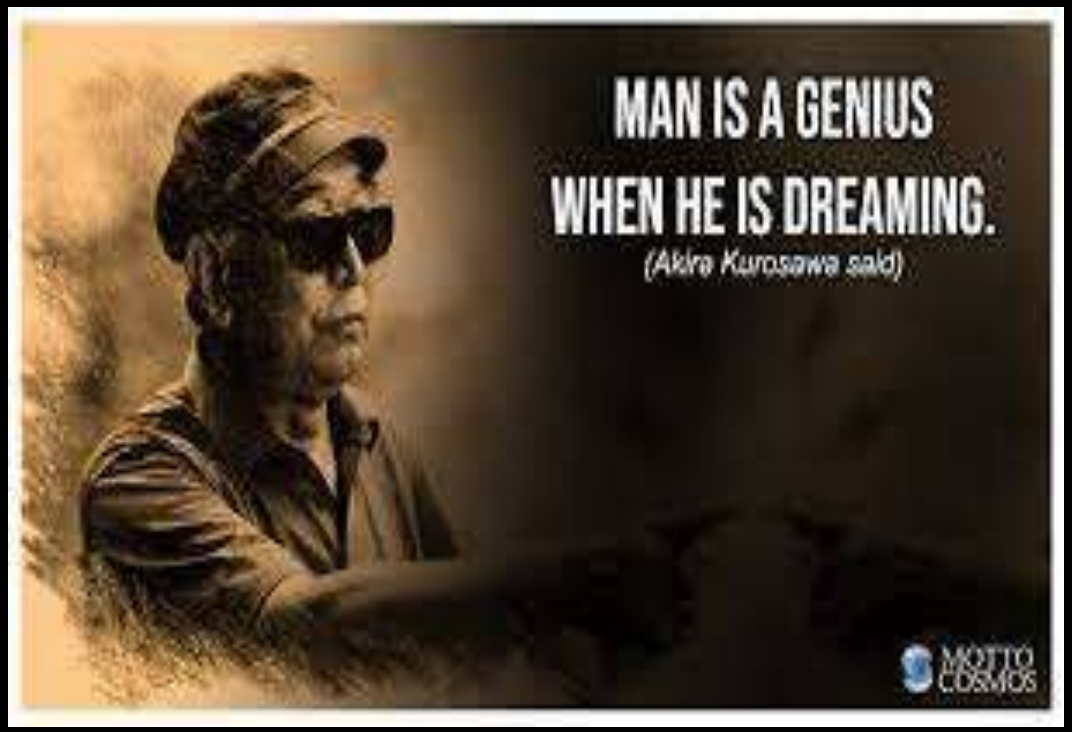

इंगमेर बर्गमैन (स्वीडी फिल्मकार)

‘दि सेवेंथ सील, ‘दि वर्जिन स्प्रिंग’ , ‘सो क्लोज़ तो लाइफ’ क्राईसिस’ , ‘राईन ओं और लव’ , ‘त्री स्ट्रेंज लव्स’ , ‘इल्लिसिट इन्टरलूट’ , ‘सीक्रेट ऑफ़ वुमन’ , ‘ए लेसन इन लो’

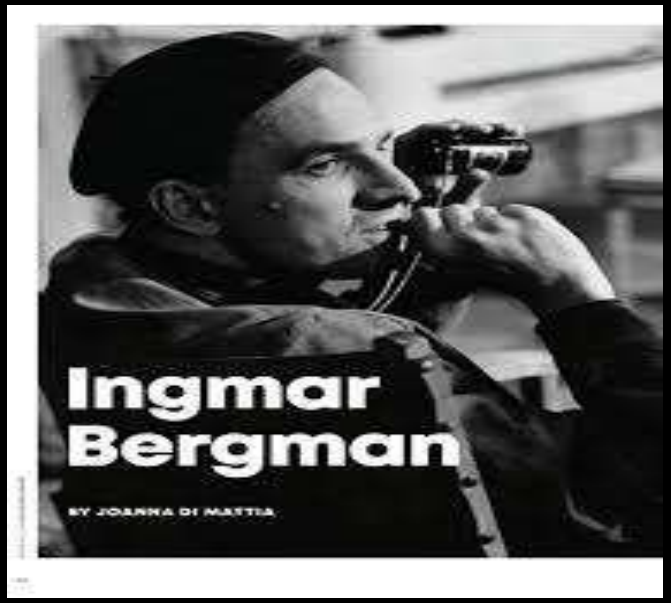

भारतीय सिनेमा

- पहला युग–1896–1930 (मूक सिनेमा का युग)
- सवाक सिनेमा (1931 ई. से.....

पहला फीचर फिल्म–भारत के

- पहली पूरी अवधि की फीचर फिल्म राजा हरिशचंद्र (3 मई 1913)

दादा साहब फाल्के

- निर्माता, निर्देशक, पटकथा लेखक दादा साहब फाल्के, **भारतीय सिनेमा के जनक**

जमशेदजी मदन

भारत का पहला सिनेमा हॉल ‘एल्फिन्स्टन पिक्चेर पैलेस की स्थापना (1937)–कोलकोत्ता में

पहली सवाक फिल्म –आलम आरा

14 मार्च 1931को मुम्बई के मेजेस्टिक सिनेमा हॉल में

सत्यजित राय

‘पथेर पान्चाली’ , ‘अपू संसार’ , ‘देवी’ , ‘जन अरण्य’

तमिल सिनेमा

- पहला मूक सिनेमा –'कीचक वध' (1916)
- नटराज रंगस्वामी मुदलियार ने बनाया
- अभिनेता –नटराज मुदलियार, राजा मुदलियार
- पहली सवाक सिनेमा –'कालिदास' (1931)
- एच एम् रेड्डी
- अभिनेता–पी जी वेंकटेशन, राजलक्ष्मी...

मलयालम सिनेमा

- पहला मूक सिनेमा – 'विगतकुमारन ' (1916)
- जे सी डानियेल
- पहली सवाक सिनेमा – 'बालन' (1938)
- पटकथाकार और निर्माता–टी आर सुन्दरम
- निदेशक–एस नोट्टानी

सिनेमा –परिभाषा

सिनेमा अनुभूति और संवेदना, व्यष्टि और समष्टि के संबंध का विज्ञान है| विभिन्न नाट्य एवं ललित कलाओं का सम्मिश्रण है | किसी घटना के काल और दिक् के आयामों का रूपांकन है |

– कमलस्वरूप

डॉ कैलाशनाथ पाण्डेय

जीवन की हर झांकी और मंजर को रूपायित करनेवाला सिनेमा संसार का सबसे सुन्दर सांस्कृतिक उपहार है|

बसंतकुमार बिहारी

सिनेमा एक बड़ा धोखा है| कुछ भी नहीं होकर वह चलचित्रों से दर्शक को इतना आत्मविभोर कर देता है कि कुछ समय के लिए वे अपने अस्तित्व को भी भूल जाता है|

सिनेमा के प्रकार

उद्देश्य, समयावधि, विषय, स्वरुप आदि के अनुसार सिनेमा के अनेक प्रकार बनते हैं.....

फीचर फिल्म

- फीचर अंग्रेज़ी शब्द है जिसका अर्थ है – कथाशैली
- व्यवसायिक लाभ उठाने हेतु
- उद्धेश्य –मात्र मनोरंजन
- एक ढांचा–कथा,नृत्य–गीत,थ्रीलर दृश्य, प्रेम त्रिकोण, मारधाड़,करुणा ...
- कथा यथार्थ और ज्यादात्तर कल्पना

फीचर फिल्म के प्रकार

- फिल्म जनर –फीचर फिल्म के कई वर्ग

  फिल्म सिद्धान्तकारों के अनुसार जनर एक पद्धति है जिसके ज़रिये फिल्मों के विषय और उनकी विवरणात्मक शैली में दिखनेवाली समानता के आधार पर उन्हें वर्गीकृत किया जाता हैं|

जैसे–एक्शन,
प्रेम,पारिवारिक,हॉरर,थ्रिलर,हास्य,सायंस फिक्शन ,राजनीतिक,सामाजिक

डाक्यूमेंट्री फिल्म

- दूसरा नाम–वृत्त चित्र
- उद्धेश्य–सूचना और शिक्षा देना
- डाक्यूमेंट्री अनेक प्रकार
- कहानी, सामाजिक, शोधपरक, ऐतिहासिक .....

टेलीफिल्म

- दूरदर्शन के लिए निर्मित फिल्म
- फीचर फिल्म से काफी समानताएं
- इसके माध्यम से जन स्वास्थ्य, जलसंरक्षण,पर्यावरण संरक्षण बालविकास, स्त्री शिक्षा ..आदि पर देहाती जनता को प्रेरणा

एनीमेशन(गतिकला) और कार्टून

- विशेषकर बच्चों के लिए
- आधुनिक तकनीक का प्रयोग
- काल्पनिक कथाएं, पौराणिक.ऐतिहासिक .....

विज्ञापन फिल्म

- व्यावसायिक लाभ
- अनेक विषय

सिनेमा –अनेकों का काम

- सिनेमा निर्माता (फिल्म प्रोड्यूसर)
- Owner of the ship
- लाभ –हानि
- कहानी चुनाव से लेकर-फिल्म प्रदर्शन तक

सिनेमा निर्देशक

- Captain of the ship
- सिनेमा का सर्वस्व
- कहानी चुनने से लेकर -प्रदर्शिनी तक
- सिनेमा संबंधी सभी पक्षों की जानकारी- ज़रुरत पड़ने पर मार्गदर्शन
- कलाकार तथा निर्माता के बीच का माध्यम
- कामों में सहायता के लिए-सहयोगी निर्देशक

कला निर्देशक

- सेट निर्माण –इंडोर –आउट डोर
- प्रॉपर्टीज
- उदा –पत्थर मारने का दृश्य

संगीत निर्देशक

- निर्देशक और पटकथा की ज़रुरत के मुताबिक
- केवल गीत–संगीत के आधार पर सुपरहिट हुए फ़िल्में हैं (माणिक्य ....)
- गीतकार गीत लिखकर संगीतकार के पास भेजता है – संगीतों से शब्द सजाते है|
- गायक/गायिका गाती है
- रिकॉर्डिंग स्टूडियो में ..

एक्शन डायरेक्टर

- एक्शन दृश्य
- झूठी मार पीठ–
- साहस पराक्रम के दृश्य
- फाइट मास्टर्स को बुलाना, पटकथा के अनुरूप एक्शन दृश्य रखना, डम्मी का इस्तेमाल
- स्टंट्स और कैमरा के बारे में जानकारी

कैमरामैन (सनेमाटोग्रफेर)

- साहित्य में कलम की भूमिका
- अच्छे फिल्मांकन के लिए कुशल कैमरामैन
- फिल्म निर्देशक के मनोगत के अनुसार – कैमरा
- अधिकांश निर्देशक कैमरामैन को बदलना पसंद नहीं करते
- सहयोगी कैमरामैन

प्रोडक्शन मेनेजर

- लोकेशन पर हर एक की ज़रूरतों का ख्याल
- खर्च को दिमाग में रखकर आवश्यकताओं की पूर्ती
- लोकेशन का परमिशन
- समय समय पर चीज़ों की परचेस , खाने,रहने का इंतजाम
- असिस्टेंट प्रोडक्शन मेनेजर, दस-बारह स्पॉट बॉय

सिनेमा के विषय पर शोध कार्य

- व्यक्ति विशेष पर(महात्मा गाँधी, अम्बेदकर, श्री नारायण गुरु, विवेकानन्द....)
- ऐतिहासिक विषय पर (स्वतंत्रता संग्राम, राजाओं....)
- –पूर्व शोध –देश –काल–वातावरण–
- वेश भूषा, केश भूषा,गीत संगीत,भाषा संस्कृति ....
- सत्यजित रे –शतरंज के खिलाड़ी –19वीं शती के लखनौ के जीवन

अभिनेता –अभिनेत्री

- पात्रों के अनुकूल
- बजट के अनुसार
- सहायक कलाकारों का चयन

सिनेमा निर्माण के विभिन्न सोपान

- शूटिंग
- इंडोर शूटिंग (फिल्म स्टूडियो)
- आउटडोर शूटिंग (घर, मकान, देश , विदेश – पटकथा के मांग के अनुसार...)

लाइट व्यवस्था

- इंडोर में बड़े बड़े पॉवर बल्ब
- आउटडोर –कैमरा मैन के निर्देश के अनुसार
- अलग अलग प्रकाश स्रोतों का प्रयोग

सेट डिसाइनिंग

- कहानी और पटकथा के अनुसार कृत्रिम लोकेशन
- प्राकृतिक उपादानों को प्राकृतिक ढंग से–बारिश, बिजली चमकना ....
- पूरे गाँव, राज महल (बाहुबली), झोंपडपट्टी, मंदिर...

मेकअप मैन

- पटकथा , पात्र एवं चरित्र के मांग के अनुसार
- शूटिंग के पहले कलाकारों का मेकअप
- मेक अप दो प्रकार –साधारण मेकअप ,चरित्र मेकअप
- निर्देशक के इच्छानुसार

वस्त्रालंकार

- वेश भूषा प्राथमिक रूप से- निर्देशक तय करता है
- पटकथा और चरित्र के अनुरूप –कोस्टुम
- केश विन्यास- हेयर ड्रेसर

स्टिल फोटोग्रफी

- दृश्य के शूटिंग के बाद दो तीन फोटो ग्राफ्स
- ड्रेस एवं सेकुएंस याद रखने के लिए
- स्टिल फोटोग्राफर आगे चलकर अच्छे कैमरा मैन बनते है|

ध्वनि मुद्रण

- साउंड रिकॉर्डिंग
- संवाद
- साउंड ट्रैक–डबिंग

डबिंग

- शूटिंग के समय रिकॉर्ड किया गया संवाद गाइड ट्रैक की तरह रखा जाता है
- प्रत्येक दृश्य को परदे में डालकर होठों की हलचल के साथ संवाद बोलवाए जाते है
- डबिंग में केवल संवाद का रिकॉर्ड होता है|

साउंड इफेक्ट्स

- एक ही दृश्य में अनेक ध्वनि –
- बेक ग्राउंड (बरिश, जूते की आवाज़, जंगल, समुद्र.....)
- संगीत ..
- शब्द यंत्री सभी साउंड इफेक्ट्स को अलग अलग चैनल पर रिकॉर्ड करते हैं, निर्देशक की पसंदानुसार सिनेमा में डालते है|

सिनेमा संपादन (एडिटिंग)

- फिल्म निर्माण का अंतिम सोपान
- नेगटीव फिल्म को पॉजिटिव बनता है(फर्स्ट प्रिंट)
- निर्देशक के साथ फर्स्ट प्रिंट का पूर्वावलोकन(रिव्यु)
- ख़राब दृश्यों को काटकर अलग करता है
- पटकथा के अनुसार सही दृश्यों को क्रम से जोड़
- फिर निर्देशक के साथ विचारविमर्श–दृश्यों को प्रभावी बनाने हेतु–क्लोस अप आदि....

सिनेमा वितरण –डिस्ट्रीब्यूशन

- वितरक निर्माता से सिनेमा का अधिकार खरीदता है(जैसे सटालाईट अधिकार, देश – विदेश में प्रदर्शन के अधिकार, डीवीडी के अधिकार, संगीत के अधिकार....)
- सिनेमा वितरक कंपनियों को
- सिनेमा निर्माण प्रक्रिया का अंतिम चरण

सिनेमा का कलापक्ष

- पटकथा
- संवाद
- स्क्रीनप्ले
- गीत –संगीत
- अभिनय
- नृत्य

धन्यवाद